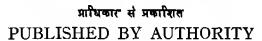


### असाधारण EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (ii) PART II—Section 3—Sub-section (ii)



**ਰ** 509]

नद्रै दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 26, 1976/ब्रग्रहायण 5, 1898

No. 509]

NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 26, 1976/AGRAHAYANA 5, 1898

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

#### MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

NOTIFICATION

New Delhi, the 26th November 1976

S.O. 755/IDRA/10.—In exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 10 of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby specifies the class of undertakings mentioned in the Schedule to this notification for the purposes of the said sub-section, and specifies a period of three months from the date of publication of this notification in the Official Gazette as the period within which the owner of every industrial undertaking falling within any such class shall produce his certificate of registration for entering therein the productive capacity of the said industrial undertaking and other particulars referred to in that sub-section.

### SCHEDULE

Undertaking pertaining to the following industries:-

- 1. Non-ferrous alloys.
- 2. Non-ferrous rolled/drawn rods/wires/sections.

- 3, Aluminium and brass utensils.
- 4. Textile auxiliaries.
- 5. Bolts, nuts and rivets.
- 6. Tin containers.
- 7. Agricultural implements.
- 8. Drums, barrels and closures.
- 9. Glue.
- 10. Leather.
- 11. Hurricane lanterns.
- 12. Rubber goods.
- 13. Plywood.
- 14. Biscuits.
- 15. Malted foods.
- 16. Chocolate.
- 17. Chocolate confectionery.
- 18. Fermentation Industry-Beer, Potable alcohol and alcoholic beverages.

[No. 12(3)/LP/75].

D. K. SAXENA, Jt. Secy.

# उद्योग मंत्रालय (श्रीद्योगिक विकास विभाग)

## प्रधिसूचना

## नई दिल्ली, 26 नवम्बर, 1976

कां कां 755 (क्र)/काई की कार ए/10. — केन्द्रीय सरकार, उद्योग (विकास और विनियम् मन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 10 की उपधारा (4) द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इस अधिसूचना की अनुसूची में वर्गीत उपकारों के वर्ग को, उकत उपधारा के प्रयोजनों के लिए, विनिर्दिष्ट करती है और राजपत्र में इस अधिसूचना के प्रकाशन की तारीख से तीन मास की अवधि को उस अवधि के रूप में विनिर्दिष्ट करती है। जिस के भीतर किसी ऐसे वर्ग के अन्तर्गत आने वाले हर औद्योगिक उपक्रम का स्वामी अपना रजिस्ट्रीकरण प्रमाणपत्र उसमें उक्त औद्योगिक उपक्रम की उत्पादन क्षमता और उस उपधारा में निर्दिष्ट अन्य विशिष्टियां दर्ज करने के लिए पेश करेगा।

## श्रनुसूची

निम्नलिखित उद्योगों से सम्बन्धित उपक्रम :--

- 1. ग्रलोह मिश्रधातु
- 2. श्रलौह बैह्लित/कर्मण शलाका/तार/खण्ड

- 3. ग्रत्यूमिनियम, ग्रीर पीतल के बर्तन
- 4. टेक्सटाइल सहायकः
- काबले. दिबरियां और कीलकें
- 6. टिन पाल्ल
- 7. कृषि उपकरण
- 8. इम, पीपे ग्रौर संवरक
- 9. सरेस
- 10. चमड़ा
- 11. हरीकेन लालटेन
- 12. रबड़ का माल
- 13. प्लाइवुड
- 14, बिस्कुट
- 15. माल्ट के खाद्य पदार्थ
- 16. चाकलेट
- 17. चाकलेट मिठाइयां (कन्फेक्शनरी)
- 18. किण्यन (उद्योग--बियर, पेय एल्कोहाल ग्रीर एल्कोहाली पेय (बेवरिज)

[सं॰ 12(3)/एस पी/75] डी॰ केश सक्सेना, संयुक्त समिन।